व्यावसायिक शिक्षा को उद्योगों से जोड़ें, निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों की कराएं रैंकिंग: योगी

सीएम ने तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता और रोजगार के अवसरों पर दिया जोर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा को उद्योगों से और बेहतर तरीके से जोड़ने के निर्देश दिए। संस्थानों की गुणवत्ता पर जोर देते हुए स्टेट इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एसआईआरएफ) के तहत राजकीय व अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग कराने की सराहना की। साथ ही इसके तहत प्रदेश के 1948 निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों को शामिल करने को कहा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने प्राविधिक व व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति से कोई भी छात्र वंचित न रहे। गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए सभी प्राविधिक संस्थान पूरी तैयारी के साथ नैक, एनबीए व एनआईआरएफ मूल्यांकन में शामिल हों। बैठक में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल व व्यावसायिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल उपस्थित थे। ब्यूरो >> चार नए राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अपने परिसर में चलाएं : अंदर पढ़ें

तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक करते सीएम योगी।

हर छात्र को मिले इंटर्नशिप का मौका : *सीएम ने निर्देश दिए कि हर छात्र को प्रशिक्षण के साथ औद्योगिक इंटर्नशिप दी जाए। हर युवा को उसके कौशल के अनुरूप अवसर उपलब्ध हों। प्राविधिक शिक्षा विभाग ने बताया कि डिजिटल कक्षाएं, आधार आधारित बायोमीट्रिक उपस्थिति, उद्योग अनुरूप पाठ्यक्रम, ड्रोन, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस व मशीन लर्निंग को पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया है। व्यावसायिक शिक्षा व कौशल विकास विभाग ने बताया कि 324 राजकीय व 2982 निजी आईटीआई चल रहे हैं। टाटा के सहयोग से 212 राजकीय आईटीआई को अपग्रेड किया जा रहा है।*